एक्सप्रेस व्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 14 | पीलीभीत, फरवरी 2026 | (हि0मा0) | पृष्ठ 8 | मूल्य :5 रूपया

अजित पवार की मौत महाराष्ट्र के लिए बड़ा नुकसान,

सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण पर बोले शरद पवार-मुझे जानकारी नहीं

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि विमान दुर्घटना का शिकार बने उनके भतीजे अजित पवार की पत्नी व सांसद सुनेत्रा पवार से जुड़े किसी भी शपथ ग्रहण समारोह के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है और इस मामले पर परिवार में कोई चर्चा नहीं हुई। बारामती में सुबह के समय हुए एक संवाददाता सम्मेलन में शरद पवार ने कहा कि राकांपा के दोनों गुटों के फिर से एक होने का विचार विमान दुर्घटना का शिकार बने उनके भतीजे अजित पवार की इच्छा थी और उनकी पार्टी भी यही चाहती थी। शरद पवार ने कहा, अजित पवार की मौत महाराष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और राकांपा (शरद पवार गुट) को फिर से एक करने के बारे में चर्चा कई महीनों से चल रही थी लेकिन दुखद हवाई दुर्घटना के कारण ये चचाएं रुक गईं। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों से अजित पवार और राकांपा (शरद पवार) नेता जयंत पाटिल के बीच फिर से एक होने पर बातचीत चल रही थी लेकिन विमानदुर्घटना के बाद वे चचाएं रुक गईं। राकांपा के नेताओं सर्वश्री प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के ष्जल्दबाजी में लिए गए फैसलोंष्के बारे में पूछे जाने पर, राकांपा-(एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, मुझे जो पता है वह यह है कि हमारी पार्टी (एनसीपी-एससीपी) और अजीत पवार की पार्टी (एनसीपी) के एक साथ काम करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी, और इस पर जल्द ही फैसला लिया जाना था। हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना-अजीत पवार की मौत-हो गई है। शरद पवार ने सुनेत्रा पवार के बारे में सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें किसी भी शपथ ग्रहण समारोह के बारे में न तो सूचित किया गया और न ही आमंत्रित किया गया। अजीत की मौत के बाद परिवार में कोई चर्चा नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल मीडिया रिपोर्ट पढ़ी हैं जिनमें कहा गया है कि मुंबई में चर्चा चल रही है, और कहा कि दूसरे गुट के नेतृत्वकर्ता सर्वश्री सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल जैसे नेताओं को अपनी पार्टी के लिए फैसले लेने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि उन्होंने कोई फैसला लिया है, लेकिन इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इससे पहले सुनेत्रा पवार अपने दोनों बेटों पार्थ पवार और जय पवार के साथ शनिवार तड़के मुंबई पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी की विधायक दल की बैठक दोपहर दो बजे मुंबई में होनी है, जिसके दौरान पार्टी के विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। इसके बाद राजभवन में एक छोटा शपथ ग्रहण समारोह होने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या अगर फिर से एक होने की बातचीत आगे बढ़ती है तो वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हाथ मिलाने को तैयार हैं, तो पवार ने भाजपा की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अजीत पवार और राकांपा (शरद पवार) नेताओं के बीच बातचीत के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बारे में कोई बात नहीं हुई थी।

संजय राउत का भाजपा पर सनसनीखेज आरोप, अजित पवार के निधन में भी अवसर तलाश रही है बीजेपी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन में भी राजनीतिक अवसर तलाश रही है। राज्यसभा सदस्य राउत ने पत्रकारों से बातचीत में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के सवाल पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि इस संबंध में किसी के पास कोई जानकारी नहीं है।

अजित पवार की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में हुए विमान हादसे में मौत हो गई थी। राउत ने कहा, भाजपा का शोक की इस घड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। वह मौत में भी अवसर तलाश रही है। यह इस मुद्दे पर बात करने का समय नहीं है। बाद में, मैं इस पर बात करूंगा। राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार के उस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के संबंध में कोई जानकारी नहीं है, राउत ने कहा कि इसकी जानकारी केवल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व या राकांपा नेताओं प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को ही हो सकती है।

गाजियाबाद में विवाद में दो युवकों की चाकू गोदकर हत्या, एक अन्य घायल

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले में एक भोजनालय में मामूली विवाद के कारण दो युवकों की कथित तौर पर चाकू से हमलाकर हत्या कर दी

गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार देर रात उस समय की है जब दोनों गुट नशे की हालत में थे और खाना परोसने में देरी को लेकर उनके बीच तीखी बहस हो गई। उसने बताया कि देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। होटल में मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को घायल अवस्था में पाया। पुलिस ने बताया कि तीनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। ट्रांस हिंडन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निमिष पाटिल ने बताया कि मृतकों की पहचान श्रीपाल (25) और सत्यम (26) के रूप में हुई है। दोनों बहराइच जिले के निवासी थे और खोड़ा के नेहरू विहार कॉलोनी में किराए के मकान में रहते थे। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति बयान नहीं दे सका है।

कांग्रेस ने बजट से पहले केंद्र पर साधा निशान, कहा,सरकार के नीति निर्धारण में समन्वय की कमी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर नीति निर्धारण में समन्वय की कमी का आरोप लगाते हुए शनिवार को सवाल किया कि क्या बजट के आंकड़ें पेश किए जाने के तुरंत बाद उनमें संशोधन किया जाएगा क्योंकि बजट के कुछ ही दिन बाद सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नयी श्रृंखला जारी की जानी है। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 का बजट कल यानी रविवार को पेश किया जाएगा। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, राज्य सरकारें आशंकाग्रस्त होकर प्रतीक्षा कर रही होंगी कि उनके लिए इसमें क्या है क्योंकि वित्त मंत्री 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें लागू करने की घोषणा करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि

वित्त आयोग एक ऐसा निकाय है जिसकी स्थापना संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत हर पांच वर्षों में (या उससे पहले) की जाती है ताकि वह केंद्र द्वारा एकत्र किए गए कर राजस्व में राज्यों की हिस्सेदारी, इस हिस्सेदारी का राज्यों के बीच वितरण और पांच वर्षों की अवधि के लिए विशेष अनुदानों की सिफारिश कर सके। उन्होंने कहा कि 16वां वित्त आयोग 2026-27 से 2030-31 तक की अवधि से संबंधित है। रमेश ने कहा, लेकिन इसके अलावा दो और चिंताएं भी हैं। पहली-बजट के कई आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में प्रस्तुत किए जाएंगे। हालांकि ठीक 26 दिन बाद 27 फरवरी 2026 को 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नयी और अद्यतन जीडीपी श्रृंखला जारी होने वाली है। उन्होंने सवाल किया कि क्या एक फरवरी 2026 को बजट के आंकड़ें पेश किए जाने के तुरंत बाद उनमें संशोधन किया जाएगा? रमेश ने कहा कि दूसरी चिंता यह है कि 2024 को आधार मानकर नयी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला 12 फरवरी 2026 को जारी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, श्शमाना जा रहा है कि इस नयी श्रृंखला में खाद्य कीमतों की हिस्सेदारी में तेज गिरावट दिखाई दे सकती है। अगर ऐसा होता है तो इसका भी बजट के आंकड़ों पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भी संशोधन किया जा रहा है ।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस, वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.7 डिग्री कम है। आईएमडी ने यह जानकारी दी। विभिन्न मौसम केंद्रों के आंकड़ों के अनुसार पालम में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड में 7.1 डिग्री सेल्सियस, रिज केंद्र पर 7.7 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में रात का तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 278 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है।

इंटरमीडिएट की छात्राओं के लिए आयोजित किया गया विदाई समारोह

धामपुर। धामपुर में लाला केदारनाथ सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर इण्टर कालेज में कक्षा द्वादश की छात्राओं के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ प्रधानाचार्या श्रीमती आभावती द्वारा सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। क्रार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अर्चना एवम् एकादश की छात्राओं द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में एकादश की छात्राओं द्वारा द्वादश की छात्राओं को टीका लगाकर स्वागत किया गया। छात्राओं द्वारा रेप वॉक किया गया। जिसमें छात्रा द्वादश आयुषी आर्य को मिस फेयरवेल चुना गया छात्रा को प्रधानाचार्या द्वारा कृाउन पहना कर मिस फेयरवेल का खिताब दिया गया। छात्रा आकृति सिंह अंकित सिसोदिया रनर अप को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या श्रीमती आभावती द्वारा भूमिका चौहान,शगुन सैनी,पल्लवी रानी, संस्कृति चौहान,रिया सैनी,सोनाक्षी,शशि चौहान, भाव्या,ज्योति,वैष्णवी आदि सभी छात्राओं को शुभकामना संदेश दिया तथा सभी के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना की। इस अवसर पर शिक्षिका अनीता, सरिता, रेनू, अलका, पूर्णिमा, पारुल, मीनाक्षी, प्रीति, प्रियंका, विनिता, खुशबू, दीपिका, मेघना एवम् समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

शिव मंदिर से निकाली गई कलश यात्रा

धामपुर। धामपुर में नगीना रोड स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी में शिव मंदिर की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई जिसका नगर में स्थान स्थान पर पुष्प वर्षा कर एवं मिष्ठान वितरित कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा शिव मंदिर से प्रारंभ होकर नगीना चौराहे होते हुए एवं मार्केट होते हुए मंदिर पर आकर संपन्न हुई। कलश यात्रा में पीत वस्त्र पहने हुए महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी। कलश यात्रा में सबसे आगे बैंड बाजा धार्मिक धुन बजाते हुए चल रहे थे और अंत में सुसज्जित गाड़ी में प्रसाद वितरित करते हुए श्रद्धालु चल रहे थे। कलश यात्रा में रीना रानी शशि कौशिक सुषमा राजावत सुनीता पूनम देवी सरोज देवी अर्चना रानी मोनिका सुनीता रेखा देवी अंजली देवी कविता देवी पिंकी देवी धीरेन्द्र चौहान प्रदीप कुमार कौशिक टीकाराम जैन सुरेंद्र सिंह राजू राजावत अखिलेश कुमार पंकज कुमार धर्मवीर सिंह शीशराम सैनी आदि शामिल रहे।

आबादी में भटके बारहसिंघा की दर्दनाक मौत

कुत्तों के हमले से घबराया हिरन दीवार में फंसा

बिजनौर। बिजनौर से एक दुखद और लापरवाही भरी तस्वीर सामने आई है३ जहां जंगल से भटककर आबादी में पहुंचे एक बारहसिंघा हिरन की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुत्तों के हमले से घबराया बारहसिंघा भागते हुए एक दीवार में फंस गया३ और दहशत में ही उसने दम तोड़ दिया। हैरानी की बात ये है कि वन विभाग की टीम घंटों की देरी से मौके पर पहुंची, जिसको लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। बताते चले कि कोतवाली देहात क्षेत्र के बरूकी सहकारी समिति परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब जंगल से भटककर एक बारहसिंघा हिरन आबादी में आ पहुंचा। इसी दौरान आसपास घूम रहे आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों से बचने के लिए बारहसिंघा बुरी तरह घबरा गया और भागते हुए सहकारी समिति की दीवार में जा फंसा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हिरन करीब दो घंटे तक दीवार में फंसा तड़पता रहा, जबकि कुत्तों के लगातार भौंकने से वह और ज्यादा डर गया। लोगों ने तुरंत पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। पुलिस तो मौके पर पहुंच गई, लेकिन वन विभाग की टीम करीब तीन घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची। तब तक बारहसिंघा की मौत हो चुकी थी। जिसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दीवार में फंसे बारहसिंघा के शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद इलाके के लोगों में वन विभाग की कार्यशैली को लेकर भारी रोष देखा गया। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते रेस्क्यू किया जाता, तो एक बेजुबान जानवर की जान बचाई जा सकती थी।

प्रधान सचिव घोटाले की जांच में बड़ा उलटफेर

संदिग्ध भूमिका पर डीआईओएस जय करण यादव जांच से हटाए गए, डीएम ने दिए पुनः जांच के आदेश

नगीना। ग्राम पंचायत कल्याणपुर में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग और घोटाले की जांच कर रहे जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) जय करण यादव की संदिग्ध भूमिका सामने आने के बाद जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बड़ा कदम उठाया है। डीएम ने डीआईओएस को जांच से हटाते हुए अब जिला कार्यक्रम अधिकारी की देखरेख में 30 दिन के भीतर पुनः जांच कराने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार नगीना थाना क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर निवासी शगुफ्ता अंजुम, सईदुद्दीन सलमानी, वीरेंद्र कुमार एवं शाहरुख सलमानी ने 8 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी बिजनौर को शिकायती पत्र सौंपा था। शिकायत में ग्राम प्रधान नसीम फातिमा एवं ग्राम सचिव आशुतोष कुमार पर सरकारी स्कूलों में रंगाई–पुताई, टाइल्स, ग्रिलिंग, सीसी रोड, कस्तूरबा विद्यालय में दरवाजे–खिड़कियों की मरम्मत, सरकारी नलों की रिबोरिंग, नाला–नाली व चौनल निर्माण जैसे कार्यों के नाम पर लाखों रुपये के गबन का आरोप लगाया गया था। शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच के आदेश दिए थे। नोडल अधिकारी बनाए गए डीआईओएस जय करण यादव अपनी टीम के साथ 21 नवंबर 2025 को गांव पहुंचे, लेकिन शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जांच के दौरान न तो उनसे कोई साक्ष्य लिए गए, न फाइलें दिखाई गईं और न ही किसी सड़क या निर्माण कार्य की नाप–तोल कराई गई। आरोप है कि डीआईओएस ने 10 दिसंबर 2025 को शिकायतकर्ताओं को फोन कर जांच पूरी होने और रिपोर्ट डीएम को भेजने की जानकारी दी। इसी बीच प्रधानपति दिलशाद अंसारी एवं उसके सहयोगी नटवरलाल द्वारा गांव में यह कहने की बात सामने आई कि "जांच में कुछ नहीं होगा, अधिकारियों से बात हो चुकी है।" शिकायतकर्ताओं ने इस संबंध में ऑडियो रिकॉर्डिंग होने का भी दावा किया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि प्रधानपति दिलशाद अंसारी और सचिव आशुतोष कुमार ने डीआईओएस को घूस देकर अपने पक्ष में रिपोर्ट तैयार करवाई। डीआईओएस की रिपोर्ट से असंतुष्ट जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व जांच को त्रुटिपूर्ण करार दिया और डीआईओएस जय करण यादव को जांच से हटाते हुए पुनः निष्पक्ष जांच के आदेश जारी कर दिए। पुनः जांच के आदेश से जहां कथित घोटालेबाजों में हड़कंप मच गया है, वहीं जांच में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भूमिका भी अब सवालों के घेरे में आ गई है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा बिजनौर तहसील क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर बीएलओ की उपस्थिति एवं कार्य प्रगति का किया गया मुआयना

'निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय हमीरपुर सुधा में दोनों बीएलओ अनुपस्थित तथा प्राथमिक विद्यालय तिमारपुर के मुख्य द्वार पर मिला बंद ताला '

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा आज शाम 04रू00 बजे बिजनौर तहसील क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बीएलओ की उपस्थिति एवं उनके कार्य प्रगति का मुआयना किया गया। सर्वप्रथम उन्होंने प्राथमिक विद्यालय हमीरपुर सुधा में स्थापित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया, जहां दोनों बीएलओ अनुपस्थित पाई गई। स्कूल में उपस्थित सहायक अध्यापक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यहां पर दो आंगनबाड़ी कार्यकत्री बीएलओ श्रीमती जैनब एवं श्रीमती कीसा तैनात हैं।

उसके बाद उन्होंने आदर्श विद्या निकेतन इंटर कॉलेज शाहबाजपुर का निरीक्षण किया जहां दो बीएलओ श्री जसवंत कुमार शिक्षामित्र तथा जितेंद्र सिंह अनुदेशक उपस्थित पाए गए। दोनों ब्लू ने बताया कि आज कोई फॉर्म नहीं भरा गया है। जिलाधिकारी द्वारा फार्मों की उपलब्धता के बारे में मालूम किए जाने पर बताया गया कि फॉर्म 6 कम संख्या उपलब्ध हैं जबकि फार्म 7 मतदान केंद्र पर मौजूद नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए की फॉर्म 6 और फॉर्म 7 दोनों पर्याप्त संख्या में बूथों पर रखें और यदि कोई मतदाता बूथ पर आने में असमर्थ है तो गांव में जाकर उनसे फार्म भरवाना सुनिश्चित कराएं। प्राथमिक विद्यालय तिमारपुर के निरीक्षण के दौरान में गेट पर ताला लगा पाया गया।

मुंह में अंबेडकर और दिल में कमल, यूजीसी के नियम पर मायावती के समर्थन पर कांग्रेस नेता उदित राज ने बोला हमला

लखनऊ (संवाददाता)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 के नए नियम को लेकर मचे बवाल के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है। इसके बाद इसे लेकर अब सियासत तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। इसे लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने मायावती पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मायावती जी ने यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है? बीजेपी ने ऐसा करवाया उसका प्रमाण है कि एक दिन में 12 लाख लोगों ने पोस्ट को देखा। इनके ज्यादातर पोस्ट औसतन 50 हजार लोग देखते हैं और बहुत ही कम पोस्ट हैं जहां एक या दो लाख लोगों ने देखा है। क्या इनके दलित समर्थक चाहे जितना अंध भक्त हों, सवर्ण जिसका विरोध कर रहे हों उन्ही के साथ हो जायेंगे। पूरी बीजेपी प्ज प्रकोष्ठ ताकत लगा दिया है। अब भी क्या प्रमाण की जरूरत है जानने का कि मुंह में अंबेडकर और दिल में कमल है। हो सकता है कोई मजबूरी हो लेकिन यह साबित हो गया है। आप को बता दें कि बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 का बचाव करते हुए कहा कि सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा इस कदम का विरोध बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था। मायावती ने कहा, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है। उन्होंने कहा, पार्टी का यह भी मानना है कि इस प्रकार के नियमों को लागू करने से पहले सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए था, जिससे सामाजिक तनाव पैदा नहीं होता। सरकार और सभी संस्थानों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। बसपा नेता ने कहा, ऐसे मामलों में दलित और पिछड़े वर्ग के लोग भी इन वर्गों के स्वार्थी और बिकाऊ नेताओं के भड़काऊ बयानों के बहकावे में नहीं आएं, जो आए दिन घिनौनी राजनीति करते रहते हैं। इन वर्गों के लोगों को सावधान रहना चाहिए। गौरतलब है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित यूजीसी के नियमों में विशेष समितियों, हेल्पलाइन और निगरानी दलों की स्थापना अनिवार्य की गई है, ताकि विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों की शिकायतों का समाधान किया जा सके। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियम पर रोक लगा दी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 19 फरवरी को करेगी।

छात्राओं ने सड़क दुर्घटनाएं रोकने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली ए. पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पी. जी. कॉलेज द्वारा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर संयोग नगर बस्ती, केकेबी कॉलेज और केकेसी कॉलेज से गुजरी। इसका समापन वापस कॉलेज परिसर में हुआ। इस दौरान छात्राओं ने सड़क सुरक्षाजीवन रक्षा, हेलमेट पहनें, जीवन बचाएं और शिनयमों का पालन, सुरक्षित भविष्यश जैसे नारों के माध्यम से जागरूकता फैलाई। छात्राओं ने विशेष रूप से ट्रिपलिंग कर बाइक चलाने वालों को रोका और उनसे बातचीत की। उन्होंने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और उनके गंभीर परिणामों के बारे में जानकारी दी, जिससे लोगों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा सके। यह रैली कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रो. श्रीवास्तव ने युवाओं से यातायात नियमों को अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली के दौरान छात्राओं ने आम नागरिकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व के बारे में बताया।

गुरु गोरखनाथ यात्रा 6.0 शुरू, 2.5 लाख को मिलेगा इलाज

थारू जनजाति और सीमांत गांवों तक पहुंचेगी आधुनिक चिकित्सा

लखनऊ (संवाददाता)। गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का औपचारिक शुभारंभ कर दिया गया है। इस अभियान के तहत भारत-नेपाल सीमा के सुदूर थारू बहुल और सीमांत गांवों तक आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाई जाएंगी। शनिवार को लखनऊ के विश्व संवाद केंद्र, जियामऊ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में इसकी घोषणा की गई। इस वर्ष 2.5 लाख से अधिक लोगों को निःशुल्क इलाज मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रो. एमएलबी भट्ट ने बताया कि यह यात्रा केवल एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र के अंतिम छोर तक पहुंचने का एक जीवंत अभियान है।इसका मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है, जहां आज भी बुनियादी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। यात्रा का ध्येय वाक्य हैरू जहां राह नहीं, वहां हम पहुंचेंगेय जहां चिकित्सा नहीं, वहां स्वास्थ्य सेवा पहुंचांगे। इस अभियान का संचालन नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) अवध एवं गोरक्ष प्रांत तथा श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। इसमें केजीएमयू,एम्स,एसजीपीजीआई,बीएचयू सहित देश के प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थानों से लगभग 1000 विशेषज्ञ चिकित्सक, डॉक्टर और मेडिकल छात्र भाग लेंगे। इस वर्ष की यात्रा में कई नए प्रयोग शामिल किए गए हैं।दुर्गम क्षेत्रों में गंभीर मरीजों के लिए टेलीमेडिसिन, श्स्पेशलिस्ट ऑन कॉलश, पोर्टेबल जांच मशीनें और त्वरित परामर्श जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम के अनुसार, 6 और 7 फरवरी 2026 को लगभग 300 केंद्रों पर विशेष ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, जिनसे 1500 से अधिक गांवों को कवर किया जाएगा। इसके बाद, 8 फरवरी 2026 को संबंधित जिलों में एक विशाल स्वास्थ्य मेला आयोजित होगा, जिसमें निशुल्क जांच, दवा वितरण और विशेषज्ञ परामर्श दिया जाएगा। पिछले पांच वर्षों में इस यात्रा के माध्यम से चार लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है।इस वर्ष 2.5 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त, स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता किट वितरण, स्वास्थ्य शिक्षा कार्यशालाएं, माहवारी स्वच्छता पर विशेष जागरूकता और मुख स्वास्थ्य पर परामर्श भी दिया जाएगा।

पीएम सूर्य घर योजना में यूपी की मजबूत भागीदारी, 10.94 लाख से अधिक आवेदन

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। केंद्र सरकार की प्रमुख योजना पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय पोर्टल के अनुसार देशभर में अब तक 58.36 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि अकेले उत्तर प्रदेश में 10.94 लाख से अधिक आवेदन दर्ज किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा प्रदेश में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ते भरोसे को दशार्ता है।योगी सरकार की सक्रिय नीति और यूपीनेडा व वितरण कंपनियों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में अब तक 3,57,879 रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। इससे उत्तर प्रदेश की कुल स्थापित सौर क्षमता 1,227.05 मेगावाट तक पहुंच गई है। योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को अब तक 2,440.62 करोड़ की केंद्रीय सब्सिडी और लगभग 600 करोड़ रुपए की राज्य सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है।पीएम सूर्य घर योजना के तहत लगाए गए रूफटॉप सोलर सिस्टम से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में 60 से 90 प्रतिशत तक की कमी आई है। उपभोक्ताओं को औसतन 1,500 से 3,000 रुपए प्रति माह तक की बचत हो रही है। 25 वर्षों तक कम लागत पर स्वच्छ और स्थायी बिजली, नेट मीटरिंग के जरिए अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में समायोजन जैसी सुविधाएं मिल रही हैं।प्रदेश में प्रतिदिन 50 लाख यूनिट से अधिक ग्रीन सोलर बिजली का उत्पादन हो रहा है। इससे वितरण कंपनियों पर पीक डिमांड का दबाव कम हुआ है और ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली अधिक स्थिर व सक्षम बनी है।पीएम सूर्य घर योजना के जरिए उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 13 से 15 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आ रही है। कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता घटने से वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की जा रही है, भारत के नेट-जीरो 2070 लक्ष्य को मजबूती मिल रही है।योगी सरकार पीएम सूर्य घर योजना को भविष्य में यूनिफाइड एनर्जी इंटरफेस आधारित डिजिटल ऊर्जा ढांचे से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। सौर उत्पादन, स्मार्ट मीटरिंग, नेट मीटरिंग, कार्बन डेटा और भुगतान प्रणालियों को बैंकिंग व वित्तीय सिस्टम से जोड़ा जाएगा। ईवी चार्जिंग, ग्रीन फाइनेंसिंग, कार्बन क्रेडिट ट्रैकिंग और ऊर्जा आधारित वित्तीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। ईयू-इंडिया एफटीए और सीबीएएम के संदर्भ में यह पहल उत्तर प्रदेश के एमएसएमई और निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगी।

18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी छात्राओं का किया गया मतदाता पंजीकरण

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ में प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं महाविद्यालय की स्वीप संयोजक एन.सी.सी. अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व एवं देखरेख में कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शानुसार मतदाता साक्षरता क्लब को सक्रिय करते हुए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत महाविद्यालय की वे छात्राएं जो 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी है, उनका मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से नव मतदाता पंजीकरण अभियान प्रारंभ किया गया। जिसमें मतदाता साक्षरता क्लब की सदस्य कैडेट अंडर ऑफिसर बुशरा हामिद, महिमा, आस्था त्रिपाठी, लक्षिका किशोर, प्रीति कुमारी, निकिता सिंह, अलीशा, जूही मिश्रा, सिद्धी वर्मा, निधि रस्तोगी, उरूज, मुस्कान साहू ने सक्रिय सहयोग किया। 18 वर्ष की आयु के जिन छात्राओं का पंजीकरण अभी तक नहीं हुआ है, मतदाता साक्षरता क्लब के सदस्य उनका पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए लगातार कुछ दिनों तक प्रयास जारी रखेंगे।

बदमाशों ने दुकानदार को मारी गोली, हमलावर की तलाश में जुटी पुलिस

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दो अज्ञात व्यक्तियों ने एक दुकानदार पर गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निपुण अग्रवाल ने बताया, यह घटना शुक्रवार की रात करीब 10.15 बजे अंसल सुशांत गोल्फ सिटी के शॉपिंग स्क्वायर-2 में हुई, जिसकी सूचना नियंत्रण कक्ष के जरिए मिली। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि घायल की पहचान अवधेश कुमार पाठक (60) के रूप में हुई है, जो संत कबीर नगर जिले के निवासी हैं। वह फिलहाल लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में रहते हैं और उनकी दुकान शॉपिंग स्क्वायर-1 में है। पुलिस ने बताया कि पाठक अपनी दुकान का कुछ सामान अपनी निजी कार में रख रहे थे, तभी दो अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर गोली चला दी, जो उनकी दाहिनी आंख के ऊपर लगी। पुलिस के अनुसार उन्हें तुरंत मेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। डीसीपी (दक्षिण) ने मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए आठ विशेष पुलिस टीमें गठित की हैं।

गैंगस्टर रवि काना की रिहाई पर बड़ा एक्शन, बांद जेलर सस्पेंड, विभागीय कार्रवाई शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कारागार विभाग ने वारंट बी पर तलब विचाराधीन कैदी को रिहा करने के आरोप में बांदा के जिला कारागार के कारापाल (जेलर) को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं के महानिदेशक पी.सी. मीणा ने शुक्रवार को बांदा जिला जेल के कारापाल विक्रम सिंह यादव के निलंबन का आदेश जारी किया जिसमें कहा गया कि निलंबन अवधि के दौरान यादव को डॉ. संपूणानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान, उत्तर प्रदेश से संबद्ध रखा जाएगा। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के आरोपी रविंद्र सिंह उर्फ रवि नागर उर्फ रवि काना को वारंट-बी (मजिस्ट्रेट या न्यायाधीश द्वारा जेल में बंद आरोपी को किसी अन्य मामले में अदालत में पेश करने का आदेश) के तहत तलब किए जाने के बावजूद रिहा किए जाने के आरोप में की गई है। उत्तर प्रदेश जेल प्रशासन एवं सुधार सेवा मुख्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बांदा जिला जेल में बंद विचाराधीन कैदी रवि काना को 29 जनवरी को रिहा कर दिया गया, जबकि जेल अधिकारियों को जानकारी थी कि उसे वारंट-बी पर तलब किया गया है। बयान में कहा गया है कि बांदा जेल अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्राथमिक जांच रिपोर्ट के आधार पर जेलर विक्रम सिंह यादव को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।

संपादकीय

सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

गुरु जी की शिक्षाएं अपना कर एक ईमानदार और ईष्यार्मुक्त समाज का निर्माण करें

सरबजीत राय

भारतीय संस्कृति में, जब हम भक्ति आंदोलन की बात करते हैं, तो सबसे पहले जिस आध्यात्मिक विचारक का नाम हमारे मन में आता है, वह है श्री गुरु रविदास जी का। ऐसा कहा जाता है कि जब भी संसार में अत्याचार, बुराई या दुराचार चरम पर पहुंचता है, तब स्वयं भगवान किसी न किसी रूप में मानव रूप धारण

करके इस अंधकार में मानवता का मार्ग दिखाने के लिए पृथ्वी पर आते हैं। 15वीं-16वीं शताब्दी की बात करें, जब समाज जातिवाद, गरीबों पर अत्याचार, भेदभाव और ऊंच-नीच जैसी बुराइयों से ग्रस्त था, तब मानवता को इन बुराइयों से मुक्त करने और समाज के ठेकेदारों को सही मार्ग दिखाने के लिए भगवान ने सांसारिक रूप धारण किया और एक मर्द अगंबड़े को पृथ्वी पर भेजा, जो बाद में श्री गुरु रविदास जी के नाम से जाने गए। उनका जन्म सन 1376 ईस्वी, यानी 1433 विक्रमी सम्वत को काशी बनारस (अब उत्तर प्रदेश) में पिता संतोख और माता कलसी जी के घर हुआ था। अपने जीवनकाल में उन्होंने बढ़ई का काम किया और मनुष्य को अपने हाथों से काम करने का संदेश दिया। उन्होंने अपनी कमाई का उपयोग संगत, पंगत और लंगर की सेवा में किया और मानवता को यह संदेश दिया कि हाथों से कोई भी काम करना मनुष्य के लिए गर्व की बात है। कोई भी काम बुरा नहीं होता, बल्कि मनुष्य की बुरी सोच ही उसे बुरा बना देती है। बेशक उस समय मजलूमों की आवाज उठाने के लिए धर्म के ठेकेदारों ने उनकी आवाज को दबाने के हरसंभव प्रयास किए और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, फिर भी अपनी विनम्रता और एकजुटता की शिक्षाओं के कारण उन्होंने हर भटके व्यक्ति को सही राह दिखाई। श्री गुरु रविदास जी द्वारा रचित बाणी की बात करें तो उनके 41 शबद,श्लोक श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में अंकित हैं। इसके अलावा, रैदास जी की बाणी नामक हस्तलिखित ग्रंथ भी उपलब्ध है। 1984 में भाषा विभाग ने इसे बाणी सतगुरु रविदास जी की शीर्षक से प्रकाशित किया था। भारत के लोगों के लिए यह गर्व की बात है कि इस भूमि पर अनेक गुरुओं, संतों, फकीरों और भक्तों ने जन्म लिया तथा मानवता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया। श्री गुरु रविदास जी के भजन प्रेम और भक्ति पर आधारित हैं व अच्छे लोगों की संगति में रहने की प्रेरणा देते हैं। ये भजन संदेश देते हैं कि व्यक्ति जिस प्रकार की संगति में रहता है, उसी प्रकार की सोच उसमें उत्पन्न हो जाती है। गुरु जी के भजन अच्छे लोगों की संगति में रहने का संदेश देते हैं, क्योंकि अच्छी संगति व्यक्ति के दोषों को दूर करती है और उसे लोहे से सोने में बदल देती है। ये भजन मानवता और आध्यात्मिक प्रेम का संदेश देते हैं। केवल अच्छी संगति ही अज्ञान से ज्ञान की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा पूर्वाग्रह से निष्पक्षता की ओर ले जाती है। अच्छी संगति में रहने से व्यक्ति के मन की भटकन, मैल और अहंकार दूर हो जाते हैं तथा मन स्थिर हो जाता है। इसलिए, व्यक्ति को अच्छी संगति अपनानी चाहिए और उसमें रहना चाहिए। उनकी बाणी मनुष्य को झूठे दिखावों, वहमों-भ्रमोंधमंत्रों और तंत्रों से दूर रहने की चेतावनी देती है तथा एक ऐसे समाज की स्थापना का लक्ष्य रखती है, जहां मनुष्य को कोई पीड़ा, दुख और चिंता न हो, कोई कर न देना पड़े और प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार हो। तभी वह अपनी बाणी में लिखते हैं कि बेगम पुरा शहर को नाओ, दुख अंदोह नहीं तिही ठाओ। इसी प्रकार, गुरु जी के समकालीन श्री गुरु नानक देव जी ने भी अपनी बाणी में एक पिता एकस के हम बारिक का संदेश दिया और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी अकाल पुरख की महिमा में मानवता के कल्याण के लिए यह अंकित किया कि मानस की जात सभै एकै पहिचानबो। ऐसी सब महत्वपूर्ण जानकारियों के बावजूद, अगर हम वर्तमान समय में जागरूकता की बात करें, तो हम गुरुपर्व तो मनाने में सक्षम हो गए हैं लेकिन गुरु जी की शिक्षाओं का पालन करने में अभी भी असमर्थ हैं। हम उस अंधकार को समझने में असमर्थ हैं, जिससे उनकी धार्मिक यात्राओं, दर्शन और बाणी ने हमें बाहर निकाला था। दुख की बात है कि बड़े-बड़े पोस्टरों, जयकारों और नारों की गूंज हमारे मन को ऊपर नहीं उठा सकी। हमारा मन अब भी भटक रहा है। हम प्रभातफेरियों, नगर कीर्तनों और शोभायात्राओं में आसानी से शामिल हो जाते हैं लेकिन सत्य की खोज करने और श्री गुरु रविदास जी द्वारा अपनी बाणी के माध्यम से दिखाए गए मार्ग पर चलने में अब भी असहज महसूस करते हैं। आइए इस गुरुपर्व पर यह प्रतिज्ञा करें कि हम इसे मेले की तरह नहीं मनाएंगे, बल्कि उनके सच्चे दर्शन को अपने जीवन में अपनाकर एक ईमानदार और ईष्यार्मुक्त समाज का निर्माण करेंगे। मुफ्त की वस्तुओं को अपनाने की बजाय, आइए हम स्वयं को और अपने बच्चों को यथासंभव शिक्षित करें तथा अपने हाथों से काम करके अपने परिवार, देश एवं समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

ज्वैलरी शॉप में लगी आग,केबल से पड़ोसी के घर तक पहुंची, परिवार बचा

बंथरा कस्बे में कानपुर रोड स्थित एक ज्वैलरी शॉप में शनिवार रात भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी इस आग पर 3 दमकल गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया। घटना में लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहनों के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, कोई जनहानि नहीं हुई। यह दुकान बंथरा कस्बा निवासी रमाशंकर वर्मा की है। वह अपने मकान के अगले हिस्से में सोने-चांदी के गहनों की दुकान चलाते हैं, जबकि पीछे के कमरों में अपने बेटे छोटकऊ और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते हैं। दुकान में आग रात करीब 12 बजे लगी। उस समय रमाशंकर अपने परिवार के साथ घर के अंदर थे। इसी दौरान दुकान में विद्युत शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई और देखते ही देखते इसने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें दुकान से बाहर निकलती देख पड़ोसियों ने शोर मचाया और तुरंत रमाशंकर वर्मा को सूचना दी। सूचना मिलते ही रमाशंकर वर्मा और उनका परिवार सुरक्षित बाहर निकल आया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया गया। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में दो दमकल गाड़ियां और आलमबाग फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। आग की चपेट में आने से विद्युत केबल के माध्यम से पड़ोसी कन्हैयालाल के घर के सामने तक भी आग पहुंच गई, जहां तारों में धमाके हुए, जिससे लोग दहशत में आ गए। घटना स्थल कानपुर हाईवे के किनारे होने के कारण काफी देर तक यातायात भी प्रभावित रहा। फिलहाल, नुकसान का सही आकलन नहीं हो सका है, लेकिन लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहनों के जलकर नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि समय रहते दुकान मालिक और उनका परिवार सुरक्षित बाहर निकल आया।

सीएम से मिले गोदान फिल्म के निमार्ता-निर्देशक, ट्रेलर लांच

लखनऊ (संवाददाता)। गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति में उसके महत्व और पंचगव्य आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को केंद्र में रखकर बनी फिल्म गोदान के निमार्ता-निर्देशक ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर फिल्म का ट्रेलर लांच किया गया। फिल्म के निमार्ता व निर्देशक ने स्पष्ट किया कि देश में गो-रक्षा को लेकर सबसे व्यापक, ठोस और जमीनी स्तर पर कार्य उत्तर प्रदेश में हुआ है, और इसके पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन और प्रतिबद्ध नेतृत्व है। इन्हीं बातों ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के लिए प्रेरित किया।योगी आदित्यनाथ के सीएम बनते ही उत्तर प्रदेश में गो

तस्करों पर ताबड़तोड़ एक्शन शुरू हुआ और बड़े पैमाने पर गो तस्करों की गिरफ्तारी की गई। गोवंश के प्रति मुख्यमंत्री के स्नेह और गो संरक्षण के लिए उनकी प्रतिबद्धता का इसी बात से पता चलता है कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में साढ़े सात हजार से ज्यादा गो आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इतना ही नहीं, 12 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश संरक्षित किए जा चुके हैं। गो सेवा और उनके संरक्षण को और प्रभावी बनाने के लिए हर जिले में गो संरक्षण समितियों का गठन किया गया है। हर जनपद के डीएम व एसएसपी इसके नोडल अधिकारी बनाए गए हैं।विनोद चौधरी द्वारा निर्मित व निर्देशित गोदान फिल्म 6 फरवरी को देशभर में एक साथ रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म केवल एक कहानी नहीं, बल्कि गोमाता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति, वैज्ञानिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व का समग्र दस्तावेज है। निमार्ता ने मुख्यमंत्री को फिल्म की विषयवस्तु, उद्देश्य और सामाजिक संदेश से अवगत कराया।फिल्म निमार्ता विनोद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान कहा कि आज देश में गो-रक्षा के क्षेत्र में जो ठोस कार्य दिख रहा है, उसका सबसे बड़ा केंद्र उत्तर प्रदेश है। प्रदेश में गोशालाओं का विस्तार, निराश्रित गोवंश की व्यवस्था, तस्करी पर सख्ती और गो संरक्षण को शासन की प्राथमिकता बनाना, ये कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संभव हो पाए हैं।

आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

लखनऊ (संवाददाता)। इटौंजा थाना क्षेत्र के ढीलवासी गांव में शनिवार सुबह करीब 8 बजे एक 25 वर्षीय युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान बबलू के रूप में हुई है, जो ऑटो चलाता था। वह शुक्रवार रात से लापता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों ने आम के बाग में उसका शव पेड़ से लटका देखा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक युवक शादीशुदा था और दो साल पहले उसका तलाक हो चुका था। विनोद रावत ग्राम के बीडीसी को बताया कि कल गौतम बिरादरी से रात में मारपीट हुई थी, जिसको लेकर मृतक का मोबाइल छीन लिया गया था। जब इसका पता चला तो मोबाइल घर जाकर दिला दिया गया था। इस मामले कल पुलिस को भी सूचना दी थी मौके पर 112 पुलिस भी आई थी। उन्होंने यह बताया ऑटो में ना बैठाने को लेकर विवाद बताया जा रहा जिसके बाद गांव के कुछ लोगो ने घर पर भी गाली गलौच और मारपीट की थी। इटौंजा थाना प्रभारी मारकंडे यादव ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिली है। प्रथम दृष्ट्या यह मामला पारिवारिक कलह के कारण आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर की जाएगी।

मानसिक रोगी युवक ने ग्रामीण,पुलिस और अग्निशमन कर्मियों को किया परेशान

त्रिलोकी नाथ मंदिर परिसर में हुआ विराट कवि सम्मेलन का आयोजन

बांकेगंज–खीरी। ग्रंट नंबर 10 स्थित केसरीपुर गांव के एक मानसिक रोगी युवक ने ग्रामीणों, पुलिसकर्मियों तथा अग्निशमन कर्मियों को खूब परेशान किया। करीब आधे घंटे के संयुक्त प्रयास के बाद मानसिक रोगी को टीन शेड से नीचे उतारा गया तथा पहले उसे बांकेगंज सीएचसी भिजवाया गया तथा वहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। टीन शेड मालिक दाताराम के पुत्र दिलीप ने बताया केसरीपुर गांव निवासी रोहित शुक्रवार की सुबह 9रू00 बजे ही टीन शेड पर चढ़कर बैठ गया था। पहले हमने यह सोचा कि शायद वह उतर कर घर चला जाएगा परंतु शाम तक वह ऊपर ही बैठा रहा। जब कोई कुछ कहने जाता तो वह ईंट लेकर ऊपर से फेंकने का प्रयास करता। इसी भय के

कारण पूरे दिन हमारे घर से यहां कोई नहीं आया। शाम होने पर पुलिस हेल्पलाइन पर फोन करके जानकारी दी गई। पुलिस आई परन्तु वह नीचे नहीं उतरा। पूरी रात एक शर्ट और लोअर पहने वह ऊपर बैठा रहा। शनिवार की सुबह भी पुलिस उसे नीचे उतारने में कामयाब नहीं हुई। उसके बाद एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड भी मौके पर आई। अग्निशमन प्रभारी सुरेन्द्र सिंह जब टीन शेड पर मौजूद मानसिक रोगी रोहित से बात करने के लिए आगे बढ़े तो युवक ईंट लेकर किनारे खड़ा हो गया और ईंट मारने की धमकी देने लगा। सुरेन्द्र सिंह उससे बात करते रहे और अन्य दमकल कर्मी सीढ़ी लगाकर टीन शेड पर चढ़ गए और उसे पकड़ लिया और नीचे उतार कर लाए। युवक ठंड के कारण थरथर कांप पर रहा था। उसने न तो शुक्रवार की सुबह से पानी पिया था और नहीं ही भोजन किया था। उसकी छोटी बहन भोजन लाई। उसे भोजन दिया गया और कपड़े पहनने को दिए गए। उसके बाद एंबुलेंस से लेकर उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे इलाज के लिए लखीमपुर के लिए रेफर कर दिया गया। आंखों में आंसू लिए युवक की बूढी मां माया ने बताया कि एक वर्ष पहले तक मेरा बेटा रोहित बिल्कुल ठीक था। पड़ोस में स्थित धान मिल में काम भी करता था परंतु पता नहीं किसकी नजर लग गई। उसकी दिमागी हालत खराब हो गई। आर्थिक तंगी के कारण हम उसका सही से इलाज भी नहीं करा सके अब उसकी स्थिति ठीक नहीं है। दो बेटे हैं। बड़ा भी उतना साथ नहीं दे रहा है। किसी तरह मेरा बेटा ठीक हो जाए तो बुढ़ापे का सहारा बना रहेगा। जब वह स्वस्थ था तब अक्सर अपनी बहन की शादी के लिए पैसा इकट्ठा करने की बात कहता था। ग्रामीणों ने बताया कि रोहित की मानसिक बीमारी से अब तो हम लोग भी डरने लगे हैं। न जाने कब किस पर हमला कर दें। एक सप्ताह पूर्व जब गांव का ही बबलू अपने आलू के खेतों में पानी लग रहा था। रोहित थोड़ी दूर पर खड़ा था। अचानक उसने फावड़ा लेकर बबलू पर हमला कर दिया था। गनीमत यह थी कि हमला सामने से किया गया था तो बबलू बच गया परंतु सिर में काफी चोट आई थी। परिवार की गरीबी और अशिक्षा रोहित के इलाज में बन सकती है बाधा फटे पुराने कपड़े पहने माता माया और पिता रामू दोनों अपनी आर्थिक स्थिति और अशिक्षा का हवाला देते हुए रो रहे थे। उन्हें पुलिस और दमकल कर्मियों को देखकर भय लग रहा था। वे पुलिस कर्मियों से उसका इलाज कराने के लिए कह रहे थे। जब ग्रामीण उसे मानसिक उपचार के लिए बरेली भेजने की बात कह रहे थे तब पिता कह रहा था कि मैं अकेले बरेली से वापस भी नहीं आ पाऊंगा। मानसिक रोगी को यदि केवल परिवार के भरोसे इलाज करने के लिए छोड़ दिया गया तो शायद युवक की स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा क्योंकि माता–पिता अशिक्षित है आर्थिक रूप से कमजोर है परंतु यदि प्रशासन संज्ञान लेकर उसकी चिकित्सा के लिए व्यवस्था करे तो वह स्वस्थ होकर अपने माता–पिता के बुढ़ापे का सहारा बन सकता है।

अगड़े-पिछड़े-तगड़े का झगड़ा और भारत की व्यापारिक सांझेदारियों की विडंबना !

> अजीब विरोधाभास है, एक ओर आरक्षित, जिसे पिछड़ा माना जाता है तथा जनरल कैटेगरी, जिसे तगड़ा या समर्थ कहा जाता है, के बीच द्वेष उत्पन्न करना और दूसरी ओर भारत का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समझौते करना। प्रश्न यह है कि क्या यह किन्हीं खास व्यक्तियों, उनके व्यापार और उद्योग समूहों के लाभ को ध्यान में रखकर तो नहीं किया जा रहा, क्योंकि जब युवाओं में एक-दूसरे के प्रति ऊंच-नीच का भाव होगा, तब ही यह संभव हो सकेगा। जहां तक यूरोपीय तथा भारत के साथ व्यापार करने के इच्छुक दूसरे देशों की बात है, तो हकीकत यह है कि वे हमें केवल अपना सप्लायर बनाकर रखना चाहते हैं न कि बराबरी का रिश्ता यानी निर्णायक भूमिका अदा करने वाला। वे भारत को एक बड़े बाजार की तरह देखते हैं, जहां वे अपनी अनुपयोगी वस्तुओं, उपकरणों और पुरानी टैक्नोलॉजी को बेच कर मुनाफा कमा सकें और हमें सशक्त बनाने के भ्रम में रख सकें। ये सब चाहते हैं कि भारत में उत्पादन हो लेकिन दाम वे तय करें। सस्ता श्रम होने और हमें प्रशिक्षित करने के बहाने वे हमारी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में रोड़े अटकाने का काम यह कहकर करते हैं कि वे अपने विशेषज्ञों और कर्मचारियों से यह सब करा तो रहे हैं, हमें क्यों इस पचड़े में पडना कि स्वयं गहन रिसर्च करें, अपनी टैक्नोलॉजी विकसित करें और दूसरी परेशानियां मोल लें। उनका लक्ष्य बाजार खुलवाना है, न कि बराबरी की हैसियत बनने देना। भारत जो समझौते इन देशों से कर रहा है।

पूरन चंद सरीन

भारत का मूलमंत्र, लोकतंत्र और समानता का आधार होते हुए भी व्यवस्था की कार्यप्रणाली सोचने को मजबूर करती है कि यही सत्य है या कोई भ्रम है। उदाहरण के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जिसके पास भारत में उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी है, इस तरह के नियम बनाए, जिन पर उच्चतम न्यायालय गौर न करे तो देश में युवाओं की स्थिति यह हो जाए कि आपस में बात करने या मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने में इसलिए हिचकिचाएं कि कहीं सरकारी नियमों की अवहेलना तो नहीं कर रहे। यह डर पैदा करता है और खतरनाक है। भ्रम, असुरक्षा और दिशाहीनता रू हो यह रहा है कि अस्पष्ट नियमों, बार-बार बदलते फैसलों और बिना सिर-पैर के सुधार करने की जिद ने विद्यार्थियों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। वे डिग्री लें तो किस विषय में, क्या उसके अनुरूप नौकरी मिल पाएगी या स्वरोजगार कर पाएंगे और जो परिस्थिति आज है, क्या वह कल किसी आधे-अधूरे नियम के लागू होने से बदल तो नहीं जाएगी और यदि ऐसा हुआ तो उसका अब तक का किया-धरा व्यर्थ ही हो जाएगा। अजीब विरोधाभास है, एक ओर आरक्षित, जिसे पिछड़ा माना जाता है तथा जनरल कैटेगरी, जिसे तगड़ा या समर्थ कहा जाता है, के बीच द्वेष उत्पन्न करना और दूसरी ओर भारत का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समझौते करना। प्रश्न यह है कि क्या यह किन्हीं खास व्यक्तियों, उनके व्यापार और उद्योग समूहों के लाभ को ध्यान में रखकर तो नहीं किया जा रहा, क्योंकि जब युवाओं में एक-दूसरे के प्रति ऊंच-नीच का भाव होगा, तब ही यह संभव हो सकेगा। जहां तक यूरोपीय तथा भारत के साथ व्यापार करने के इच्छुक दूसरे देशों की बात है, तो हकीकत यह है कि वे हमें केवल अपना सप्लायर बनाकर रखना चाहते हैं न कि बराबरी का रिश्ता यानी निर्णायक भूमिका अदा करने वाला। वे भारत को एक बड़े बाजार की तरह देखते हैं, जहां वे अपनी अनुपयोगी वस्तुओं, उपकरणों और पुरानी टैक्नोलॉजी को बेच कर मुनाफा कमा सकें और हमें सशक्त बनाने के भ्रम में रख सकें। ये सब चाहते हैं कि भारत में उत्पादन हो लेकिन दाम वे तय करें। सस्ता श्रम होने और हमें प्रशिक्षित करने के बहाने वे हमारी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में रोड़े अटकाने का काम यह कहकर करते हैं कि वे अपने विशेषज्ञों और कर्मचारियों से यह सब करा तो रहे हैं, हमें क्यों इस पचड़े में पडना कि स्वयं गहन रिसर्च करें, अपनी टैक्नोलॉजी विकसित करें और दूसरी परेशानियां मोल लें। उनका लक्ष्य बाजार खुलवाना है, न कि बराबरी की हैसियत बनने देना। भारत जो समझौते इन देशों से कर रहा है, यदि सतर्कता नहीं बरती गई तो भारत उनके लिए एक माल गोदाम बन जाएगा। अमरीका का रुख बदलते दिखना एक अवसर है कि भारत अपनी नीतियों और विशेषकर कूटनीति से उसे यह अहसास और अन्य देशों को विश्वास दिलाए कि हम ही बेहतर हैं। उद्योग हो या आधुनिक टैक्नोलॉजी, हम सभी स्तरों पर काम करना जानते हैं। इन सभी देशों की नीति है कि भारत को काम पर लगाए रखो, यह सोचने का अवसर न दो कि हम उनके लीडर बन सकते हैं। असली ताकत क्षमता है न कि समझौता। स्थायी लाभ की स्थिति यह है कि हमारे उत्पाद और कल-कारखाने स्वदेशी टैक्नोलॉजी से उत्पादन करें और अपनी गुणवत्ता का लोहा मनवाएं, इस स्थिति में ही वे हमें अपनी नवीनतम तकनीक देने को तैयार होंगे। यह भी विचारणीय है कि कहीं ये देश इन समझौतों से हमें अपने लिए चीन का विकल्प बनाने की नीति पर तो नहीं चल रहे?

ब्लड शुगर घटना या बढ़ना दोनों खतरनाक, ऐसे लक्षण दिखते हैं तुरंत हो जाएं सतर्क

अक्सर ऐसा होता है कि जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या होती है उन्हें हाई ब्लड शुगर होती है, तो वो शुगर लेवल कम करने के लिए कई उपाय करते हैं। मगर ध्यान देने वाली बात यह है कि ब्लड शुगर का सामान्य से कम होना भी जोखिम भरा हो सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। शरीर में ब्लड शुगर का लेवल एक तराजू की तरह होता है, जिसका संतुलन बिगड़ते ही सेहत पर बुरा असर पड़ने लगता है। अक्सर लोग सिर्फ 'हाई ब्लड शुगर' यानी डायबिटीज की ही बात करते हैं, लेकिन शुगर का लेवल सामान्य से कम होना (लो ब्लड शुगर) भी उतना ही जोखिम भरा हो सकता है। जब हमारे शरीर में इंसुलिन और ग्लूकोज का तालमेल बिगड़ता है, तो शरीर के अंगों को सही ऊर्जा नहीं मिल पाती। हाई शुगर धीरे-धीरे हमारे दिल, गुर्दे और आंखों को नुकसान पहुंचाती है, जबकि लो शुगर की स्थिति में इंसान अचानक बेहोश हो सकता है या उसे दौरा पड़ सकता है। एक हेल्दी व्यक्ति के लिए फास्टिंग शुगर 70 से 100 ˇ/छि के बीच होनी चाहिए। इसे ऐसे समझें कि शुगर बढ़ना दबे पांव शरीर के अंगों को धीरे-धीरे प्रभावित करती है, जबकि शुगर का गिरना एक अचानक आने वाले तूफान की तरह है। इसलिए दोनों ही स्थितियों के लक्षणों को पहचानना और समय पर इलाज करना बहुत जरूरी होता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

लो ब्लड शुगर को कैसे पहचानें?

जब शुगर का स्तर 70 ˇ/छि से नीचे चला जाता है, तो दिमाग को ऊर्जा मिलनी बंद हो जाती है। इसके मुख्य लक्षणों में अचानक बहुत तेज भूख लगना, हाथ-पांव का कांपना, अत्यधिक पसीना आना और घबराहट होना शामिल है। अगर आपको अचानक चक्कर आने लगें या धुंधला दिखाई दे, तो तुरंत कुछ मीठा (जैसे गुड़ या चीनी) खाएं और डॉक्टर से संपर्क करें। इसे नजरअंदाज करने पर व्यक्ति कोमा में भी जा सकता है।

हाई ब्लड शुगर के चेतावनी संकेत

शुगर बढ़ने पर शरीर अतिरिक्त ग्लूकोज को बाहर निकालने की कोशिश करता है। इसके लक्षणों में बार-बार पेशाब आना, बहुत ज्यादा प्यास लगना, घाव का देरी से भरना और थकान महसूस होना शामिल है। अगर बिना किसी कारण के आपका वजन घट रहा है या त्वचा पर खुजली और संक्रमण हो रहा है, तो यह हाई शुगर का इशारा हो सकता है। इसे लंबे समय तक नजरअंदाज करना अंगों को स्थायी रूप से डैमेज कर सकता है।

किन गलतियों से बिगड़ता है शुगर का संतुलन?

शुगर लेवल बिगड़ने के पीछे मुख्य कारण गलत खान-पान और दवाओं का सही समय पर न लेना है। बहुत ज्यादा मीठा या मैदा खाना शुगर को तेजी से बढ़ाता है, वहीं खाना छोड़ देना या भारी एक्सरसाइज के बाद कुछ न खाना शुगर को अचानक गिरा सकता है। तनाव और अधूरी नींद भी शरीर के हार्मोन्स को बिगाड़ देती है, जिससे शुगर लेवल को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है।

संतुलित जीवनशैली ही है सबसे बड़ा बचाव

देखा जाए तो ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखना काफी सरल है, बस थोड़ी सी सावधानी की जरूरत है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हें तो घर पर ग्लूकोमीटर रखें और समय-समय पर जांच करते रहें। फाइबर युक्त भोजन लें, नियमित टहलें और पर्याप्त पानी पिएं। ध्यान रखें आपका शरीर आपको हर छोटी समस्या का संकेत देता है, बस जरूरत है उन संकेतों को समझने और समय पर डॉक्टर से मिलने की। आपकी छोटी सी जागरूकता आपको बड़ी बीमारियों से बचा सकती है।

एआई ने बताई दवा, शरीर में हो गया खतरनाक रिएक्शन! जानिए बिना प्रिस्क्रिप्शन दवाएं लेना कितना खतरनाक

दिल्ली का एक व्यक्ति मेडिकल सुपरविजन के बिना एआई चैटबॉट की सलाह पर दवा लेने के बाद गंभीर रूप से बीमार हो गया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी दवा न लेने की सलाह देते रहे हैं। क्या आप भी अक्सर मोबाइल से देखकर या एआई चैटबॉट से पूछकर दवा लेते हैं? अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये आदत न सिर्फ गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है बल्कि कुछ स्थितियों में जानलेवा तक भी हो सकती है। एक ऐसा ही मामला दिल्ली से सामने आया है जहां 45 साल के एक व्यक्ति ने एआई चैटबॉट से सलाह लेने के बाद बिना प्रिस्क्रिप्शन के एचआईवी पोस्ट-एक्सपोजर दवा ले ली। इस दवा का उसे गंभीर रिएक्शन हो गया और व्यक्ति को आईसीयू में भर्ती करना पड़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक व्यक्ति को डॉ. राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक दवाओं के रिएक्शन के कारण उसे स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम नाम की समस्या हो गई है, जो जानलेवा ड्रग रिएक्शन है। इलाज कर रहे डॉक्टरों के अनुसार, बिना किसी क्लिनिकल जांच या फॉलो-अप के लक्ष्य पोस्ट-एक्सपोजर दवाओं का कोर्स लेने के बाद व्यक्ति को गंभीर रिएक्शन हो गया है। मरीज का हालत गंभीर बनी हुई है।

बिना प्रिस्क्रिप्शन एआई की सलाह पर दवा लेना पड़ा भारी

डॉक्टर्स की टीम इस बात को लेकर भी हैरान है कि बिना प्रिस्क्रिप्शन के मरीज को ये दवाएं मेडिकल स्टोर से मिल गईं। इस तरह की दवाएं अब रूटीन में प्रिस्क्राइब भी नहीं की जाती हैं। डॉक्टर ने कहा, ₹मरीज ने जो दवाएं ली हैं, वे अब डॉक्टर नहीं दे रहे हैं क्योंकि इलाज के प्रोटोकॉल बदल गए हैं। नेशनल गाइडलाइंस के तहत, एचआईवी पोस्ट-एक्सपोजर दवाओं की खास मॉनिटरिंग की जाती है, इसे कई तरह के फॉलो-अप और विशेष जरूरत की स्थिति में ही दिया जाना चाहिए। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एंटीरेट्रोवायरल दवाओं का बिना देखरेख के इस्तेमाल जानलेवा रिएक्शन, अंगों के फेलियर और क्रॉनिक जटिलताओं को ट्रिगर कर सकता है। लोगों की मेडिकल सलाह के लिए मोबाइल और एआई पर निर्भरता गंभीर समस्याओं का कारण भी बन सकती है, जोकि इस मामले में देखा गया है।

एक महीने तक सोने से पहले कर लें ये तीन काम, जड़ से दूर होगी नींद से जुड़ी परेशानी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोगों को नींद की समस्या रहती है। कई लोग इससे छुटकारा पाने के लिए तरह तरह के उपाय भी अपनाते हैं, मगर भी उन्हें स्लीप साइकिल खराब रहने की शिकायत रहती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डिजिटल स्क्रीन के बढ़ते प्रभाव ने हमारी प्राकृतिक नींद के चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। अनिद्रा और रात भर करवटें बदलना अब एक सामान्य समस्या बन चुकी है, जो न केवल मानसिक तनाव पैदा करती है बल्कि हृदय रोग और मोटापे जैसी बीमारियों का कारण भी बनती है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि दवाओं के बजाय 'स्लीप हाइजीन' में बदलाव करना नींद की समस्याओं को जड़ से खत्म करने का सबसे प्रभावी तरीका है। हमारा मस्तिष्क नींद के लिए 'मेलाटोनिन' हार्मोन पर निर्भर करता है, जिसका स्राव अंधेरे और शांति में सबसे अधिक होता है। अगर आप लगातार एक महीने तक सोने से पहले अपनी दिनचर्या में तीन विशिष्ट बदलाव करते हैं, तो आप न केवल जल्दी सो पाएंगे, बल्कि गहरी और गुणवत्तापूर्ण नींद का अनुभव भी करेंगे। यह एक महीने का 'स्लीप चैलेंज' आपके मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को पूरी तरह बदल सकता है।

डिजिटल डिटॉक्स और 'ब्लू लाइट' से दूरी

सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी बंद कर दें। इन स्क्रीन्स से निकलने वाली नीली रोशनी मस्तिष्क को भ्रमित करती है कि अभी दिन है, जिससे मेलाटोनिन का उत्पादन रुक जाता है। इसकी जगह कोई भौतिक किताब पढ़ें या हल्का संगीत सुनें। यह छोटा सा बदलाव आपके मस्तिष्क को 'रिलैक्सेशन मोड' में लाने के लिए अनिवार्य है।

तलवों की मालिश और गुनगुने पानी का जादू

रात को सोने से पहले अपने पैरों को गुनगुने पानी से धोएं और सरसों के तेल या नारियल तेल से तलवों की मालिश करें। आयुर्वेद के अनुसार, तलवों की मालिश करने से नसों को शांति मिलती है और शरीर का तापमान संतुलित होता है। यह प्रक्रिया रक्त संचार को सुधारती है और 'कोर्टिसोल' (तनाव हार्मोन) के स्तर को कम करती है, जिससे शरीर तुरंत गहरी नींद के लिए तैयार हो जाता है।

बिस्तर पर लेटने के बाद गहरी सांस लेने की प्रक्रिया आपके नर्वस सिस्टम को शांत करती है। 4 सेकंड तक नाक से सांस लें, 7 सेकंड तक रोकें और 8 सेकंड तक धीरे-धीरे मुंह से बाहर निकालें। यह तकनीक एक 'नेचुरल ट्रैंक्विलाइजर' की तरह काम करती है। एक महीने तक इसका नियमित अभ्यास आपके दिमाग के 'रेस थॉट्स' (भागते हुए विचार) को रोककर आपको शांति प्रदान करेगा।

इन बातों का ध्यान रखें

नींद की समस्या रातों-रात खत्म नहीं होती, लेकिन अनुशासन से इसे ठीक किया जा सकता है। यह खबर हमें सिखाती है कि हमारी रात की आदतें ही हमारे अगले दिन की ऊर्जा तय करती हैं। इन तीन कामों को एक महीने तक बिना रुके करें और आप पाएंगे कि आपकी एकाग्रता और खुशी का लेवल बढ़ गया है।

बिना माली ऐसे उगाएं गुलाब, हर टहनी पर खिलेंगे फूल

घर पर गुलाब का पौधा उगाना और गमले में फूलों को गुलजार करना आसान है। बस गुलाब का पौधा लगाने के लिए देसी तरीका अपनाएं। यहां गमले में गुलाब खिलाने के लिए कुछ गार्डनिंग टिप्स बताए जा रहे हैं। वैलेंटाइन सप्ताह का पहला दिन रोज डे होता है। इस दिन लोग अपने प्रिय को गुलाब देते हैं। 7 जनवरी को रोज डे मनाया जाता है। एक गुलाब का फूल कई भावनाओं की अभिव्यक्ति करता है, सिर्फ फूल के रंग के आधार पर। गुलाब के महत्व को समझते हुए ही बाजारों में फूल का दाम भी अधिक होता है, खासकर वैलेंटाइन सप्ताह में दाम बढ़ जाता है। लेकिन अगर आप घर पर ही गुलाब का पौधा लगा लें तो सिर्फ वैलेंटाइन डे ही नहीं, किसी भी मौके पर अपने प्रिय को गुलाब दे सकते हैं। लोगों का मानना है कि गुलाब उगाने के लिए माली चाहिए, खास मिट्टी चाहिए और महंगे खाद-दवाइयों की जरूरत पड़ती है। सच यह है कि गुलाब उतना नखरीला नहीं जितना हम मान लेते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप से पहले लगा बड़ा झटका, कमिंस बाहर हुए; कंगारू टीम ने किए दो बदलाव

सिडनी (एजेंसी)। टी20 विश्व कप की शुरूआत से पहले ही ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव करने पड़े हैं क्योंकि पैट कमिंस और मैथ्यू शॉर्ट विश्व कप से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए हैं। कमिंस के अलावा शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी टीम से बाहर हो गए हैं। इन दोनों की जगह टीम में तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को जगह दी गई है। चोट से नहीं उबर सके कमिंस कमिंस लंबे समय से चोट से जूझ रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज टेस्ट सीरीज के ज्यादातर मैचों में हिस्सा नहीं लिया था। माना जा रहा था कि वह टी20 विश्व कप से मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन टूर्नामेंट को शुरू होने में अब सात दिन का समय शेष है, ऐसे में कमिंस समय से पूरी तरह ठीक नहीं हो सके। अंततः क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उन्हें बाहर करने का फैसला लेना पड़ा। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के अहम सदस्य हैं और उनका नहीं होना कंगारू टीम के लिए बड़ा झटका है। हेजलवुड ने पास किया फिटनेस टेस्ट जोश हेजलवुड, टिम डेविड और नाथन एलिस की तिकड़ी ने टी20 विश्व कप के लिए फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। एशेज से पहले हैमस्ट्रिंग चोट लगने के बाद से हेजलवुड नहीं खेले हैं। वहीं, डेविड चोट के कारण बिग बैश लीग और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। एलिस भी इस वजह से बिग बैश लीग के फाइनल और पाकिस्तान दौरे से बाहर रहे। ग्रुप बी में शामिल है ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा ले रही है। टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से हो रही है और इसके मुकाबले भारत और श्रीलंका में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में शामिल है जिसमें ओमान, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और श्रीलंका भी मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ कोलंबो में होने वाले मैच से करेगी।

भारत के पांच शहर करेंगे विश्व कप के मैचों की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार है। इस वैश्विक टूर्नामेंट के मुकाबले भारत के पांच शहरों में होंगे। इन शहरों में कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और चेन्नई शामिल है। टी20 विश्व कप 2026 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगी। भारत ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत अगर ऐसा करने में सफल रहा तो वह पहला देश होगा जो तीसरी बार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम करेगा। पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, स्कॉटलैंड (बांग्लादेश की जगह), इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आठ स्थलों पर होंगे विश्व कप के मैच टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा। आइए जानते हैं भारत में होने वाले स्टेडियमों के बारे में... दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम अरुण जेटली स्टेडियम जिसे पहले फिरोज शाह कोटला स्टेडियम के नाम से जाना जाता था। ये नई दिल्ली के मध्य में स्थित है। 1883 में निर्मित इस स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच 1948-49 के सत्र में खेला गया था। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के दौरान स्टेडियम में भारी भीड़ देखी गई है। दिल्ली टी20 विश्व कप 2026 के छह मैचों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में से एक है नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम विश्व के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में से एक है। इस स्टेडियम में एक लाख से अधिक लोग बैठ सकते हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम कई ऐतिहासिक पलों का गवाह रहा है, जिनमें आईपीएल फाइनल, अंतरराष्ट्रीय सीरीज और वनडे विश्व कप फाइनल शामिल हैं। अहमदाबाद के इस स्टेडियम में टी20 विश्व कप का फाइनल मुकाबला भी खेला जा सकता है। हालांकि, अगर पाकिस्तान की टीम खिताबी मैच में पहुंची तो यह मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

भारत में किन स्थानों पर खेले जाएंगे टी20 विश्व कप के मैच

शहर	स्टेडियम
कोलकाता	ईडन गार्डंस
मुंबई	वानखेड़े स्टेडियम
चेन्नई	एमए चिदंबरम स्टेडियम
अहमदाबाद	नरेंद्र मोदी स्टेडियम
दिल्ली	अरुण जेटली स्टेडियम

अब 12 लाख तक की कमाई टैक्स फ्री; एक दौर वो था जब 100 में से 97.75 रुपये ले लेती थी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। आजादी के समय देश में 1500 रुपये तक की आमदनी ही टैक्स फ्री थी। उसके बाद आयकर व्यवस्था में समय-समय पर कई बदलाव किए गए। आइए जानते हैं देश की अब तक की यात्रा में कितना बदला आयकर? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले वर्ष के बजट में कर मुक्त आय की मुक्त आय की सीमा बढ़कर 12 लाख रुपये कर दी। इससे आम लोगों को काफी राहत मिली। यह बदलाव भारतीय टैक्स व्यवस्था के इतिहास में एक मील का पत्थर है। लेकिन इस राहत के महत्व को समझने के लिए हमें इतिहास के उन पन्नों को पलटना होगा, जब ज्यादा कमाई करना मानो गुनाह था और सरकार आपकी कमाई का लगभग पूरा हिस्सा टैक्स के रूप में वसूल लेती थी। जब ?100 की कमाई पर बचते थे सिर्फ ?2.25 आज जब 12 लाख रुपये तक की आय टैक्स फ्री हो गई है, तो 1973-74 का वो दौर डरावना लगता है। उस समय भारत में आयकर की दरें अपने चरम पर थीं। 97.75% टैक्स का दौरः 1973-74 में आयकर वसूलने की अधिकतम दर 85 फीसदी कर दी गई थी। इस पर सरचार्ज मिलाकर यह दर 97.75 फीसदी तक पहुंच जाती थी। जेब हुई खालीः इसका मतलब यह था कि एक निश्चित सीमा (2 लाख रुपये) से ऊपर, हर 100 रुपये की कमाई में से 97.75 रुपये सरकार रख लेती थी और कमाने वाले की जेब में सिर्फ 2.25 रुपये ही बचते थे। उस 'सोशलिस्ट दौर' की तुलना में आज की 12 लाख रुपये की टैक्स फ्री लिमिट करदाताओं के लिए किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। आजादी के समय सिर्फ ?1500 थी लिमिट भारतीय आयकर का सफर बेहद दिलचस्प रहा है। आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पहले वित्त मंत्री आरके शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था,। उस समय देश में केवल 1500 रुपये तक की आमदनी ही टैक्स फ्री थी,। 1947 के 1500 रुपये से लेकर आज 12 लाख रुपये तक का यह सफर देश की आर्थिक प्रगति और बदलती नीतियों का गवाह है। जब बच्चों और शादी पर तय होता था टैक्स आज की टैक्स व्यवस्था काफी सरल है, लेकिन इतिहास में सरकारों ने टैक्स के जरिए 'सोशल इंजीनियरिंग' के कई प्रयोग किएः कुंवारों पर ज्यादा बोझः 1955 में सरकार ने जनसंख्या बढ़ाने के मकसद से अनोखा नियम बनाया था। इसके तहत शादीशुदा लोगों के लिए 2000 रुपये तक की आमदनी टैक्स फ्री थी, जबकि अविवाहितों के लिए यह छूट सिर्फ 1000 रुपये थी। बच्चों की संख्या पर छूटः 1958 में भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश बना, जिसने बच्चों की संख्या के आधार पर टैक्स तय किया। अगर कोई शादीशुदा है और बच्चे नहीं हैं, तो 3000 रुपये तक छूट थी। एक बच्चे पर यह छूट 3300 रुपये और दो बच्चों पर 3600 रुपये हो जाती थी। 1973-74 के 97.75% टैक्स के दौर से निकलकर आज हम उस मुकाम पर हैं, जहां 12 लाख रुपये तक की आय कर-मुक्त है। विभिन्न सरकारों द्वारा समय-समय पर किए गए बदलावों ने आम आदमी पर से टैक्स का बोझ कम करने में बड़ी भूमिका निभाई है,। यह नया बदलाव निश्चित रूप से मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता को बढ़ाएगा।

टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा बदलाव; प्रमित झवेरी छोड़ेंगे सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, नोएल टाटा को लिखा खत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ट्रस्ट्स से जुड़ी बड़ी खबर। प्रमित झवेरी 11 फरवरी 2026 को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से हट जाएंगे। उन्होंने इस बारे में चेयरमैन नोएल टाटा को पत्र लिखा है। देश के सबसे प्रतिष्ठित कॉरपोरेट घरानों में से एक, टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाले 'सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट' में शीर्ष स्तर एक और बड़ा बदलाव होने की खबर है। दिग्गज बैंकर और ट्रस्टी प्रमित झवेरी ने अपने पद से हटने का फैसला किया है। झवेरी का मौजूदा कार्यकाल 11 फरवरी, 2026 को समाप्त हो रहा है। अब उन्होंने साफ कर दिया है कि अब वे इस पद पर फिर से नियुक्त नहीं होना चाहते। नोएल टाटा को लिखा पत्रः 'अब आगे नहीं बढ़ाना चाहता कार्यकाल' प्रमित झवेरी ने 31 जनवरी को टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा को एक पत्र लिखकर अपने फैसले की औपचारिक जानकारी दी। फिर से शामिल होने से इनकारः झवेरी ने अपने पत्र में साफ शब्दों में कहा है कि 11 फरवरी, 2026 को उनका कार्यकाल खत्म होने के बाद वे ट्रस्टी के रूप में पुनर्नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के इच्छुक नहीं हैं। पूर्व चर्चाः रिपोर्ट के अनुसार, झवेरी ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि इस निर्णय पर पहले ही नोएल टाटा के साथ चर्चा हो चुकी थी और अब इसे केवल औपचारिक रूप से सूचित किया जा रहा है। यह पत्र सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के अन्य ट्रस्टियों और टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा को भी भेजा गया है। रतन टाटा लेकर आए थे बोर्ड में टाटा ने बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। कार्यकालः झवेरी 12 फरवरी, 2020 से ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे थे। उनकी नियुक्ति रतन टाटा के कार्यकाल के दौरान हुई थी। अनुभवः अपने पत्र में झवेरी ने ट्रस्ट के साथ बिताए समय को एक 'सम्मान' बताया और आने वाले वर्षों के लिए टाटा ट्रस्ट्स को अपनी शुभकामनाएं दीं। क्यों अहम है यह खबर? टाटा समूह के स्ट्रक्चर में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की भूमिका बेहद अहम है। टाटा संस में हिस्सेदारीः सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51% से अधिक की हिस्सेदारी रखते हैं. टाटा संस, नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। निर्णय क्षमताः ट्रस्टी के रूप में, व्यक्ति के पास समूह की दिशा और परोपकारी कार्यों के आवंटन पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। प्रमित झवेरी का जाना टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में एक दौर का अंत है, जिसकी शुरूआत रतन टाटा के समय में हुई थी। अब सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में रिक्त हो रहे इस महत्वपूर्ण पद पर अगला नाम किसका होगा।

अजित पवार के निधन से राकांपा में अनिश्चितता

नोरा चोपड़ा

अजित पवार के अचानक निधन से महाराष्ट्र में एक राजनीतिक शून्य पैदा हो गया है और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का भविष्य पूरी तरह से अनिश्चित हो गया है। इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि उनका जनसमर्थन और संगठनात्मक नियंत्रण किसे मिलेगा। ऐसे में राकांपा बिखराव, पुनर्गठन और सुलह के चौराहे पर खड़ी है। अजित पवार के बाद पार्टी में कोई दूसरा बड़ा नेता नहीं है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार राज्यसभा सांसद हैं और महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। इस बीच, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और राज्य राकांपा अध्यक्ष सुनील तटकरे नेतृत्व संभालने के संभावित दावेदार हैं। हालांकि, उनके पास अजित पवार जैसा राज्यव्यापी जमीनी जुड़ाव नहीं है। उनके बेटे-पार्थ पवार और जय पवार उनकी राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। पार्थ ने मावल निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे। छोटे बेटे जय पवार राजनीति में ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। दोनों बेटों की अपनी कंपनियां हैं, वे व्यवसाय और सामाजिक उद्यम चलाते हैं।

सिंह हॉकी क्लब ने भसीन इंटरनेशनल स्कूल की टीम को पराजित कर जीती ट्रॉफी

संवाद न्यूज एजेंसी, पीलीभीत। जिला स्तरीय हॉकी लीग प्रतियोगिता का फाइनल मैच सिंह हॉकी क्लब और भसीन इंटरनेशनल स्कूल के बीच खेला गया। इसमें सिंह हॉकी क्लब ने 3-2 के अंतर से भसीन इंटरनेशनल स्कूल की टीम को पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। पब्लिक इंटर कॉलेज मैदान पर बुधवार को सिंह हॉकी क्लब और भसीन इंटरनेशनल स्कूल के बीच फाइनल मैच हुआ। पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश गौतम ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच का शुभारंभ कराया। मैच के पहले हाफ के पांचवें मिनट में ही भसीन इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ी सलिल आजाद ने गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। सिंह हॉकी क्लब के कप्तान वरुण सक्सेना ने पहले हाफ के 15वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर से गोल कर टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। खेल के पहले हाफ में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रही। खेल के दूसरे हाफ के आठवें मिनट में सिंह हॉकी क्लब के खिलाड़ी निखिल ने फील्ड गोल कर टीम को 2-1 से बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 13वें मिनट में भसीन इंटरनेशनल स्कूल के राज गौरव ने फील्ड गोल कर टीम को फिर 2-2 की बराबरी पर कर दिया। खेल के अंतिम चरण में सिंह हॉकी क्लब के निशांत के शानदार गोल कर अपनी टीम को 3-2 से बढ़त दिला दी। भसीन इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ी टीम को बराबरी पर ले जाने के लिए अंत तक जूझते रहे। सिंह हॉकी क्लब को 3-2 से विजेता घोषित किया गया। फाइनल मैच में शाहजहांपुर के अंपायर युसूफ खान, पूरनपुर के रोहित आजाद रहे। इस दौरान जयप्रकाश, प्रदीप सरकार, सुरेश कौशल, अनिल गुप्ता, महेश आजाद, घासीराम आजाद, नरेश आजाद रहे।

गांधी स्टेडियम में 9.26 करोड़ से बनेगा सिंथेटिक हॉकी मैदान

पीलीभीत। शहर के गांधी स्टेडियम में हॉकी के सिंथेटिक खेल मैदान के निर्माण की मंजूरी मिल गई है। इसके निर्माण पर करीब 9.26 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सिंथेटिक खेल मैदान से जिले के हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के और अधिक अवसर मिलेंगे। जलभराव की समस्या का समाधान भी हो जाएगा। गांधी स्टेडियम में खेल सुविधाओं और व्यवस्थाओं का विकास जारी है। पिछले वर्ष तीन करोड़ से अधिक धनराशि से बैडमिंटन कोर्ट, बास्केट बॉल कोर्ट, क्रिकेट पिच आदि का निर्माण कराया था। मैदान में होने वाले जलभराव की समस्या के समाधान और हॉकी के सिंथेटिक मैदान का प्रस्ताव भेजा गया था। यह प्रस्ताव मार्च 2025 में शासन में गया था। जिले में खेल सुविधाओं के विकास के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सक्रियता से प्रयास किया। उनके ही प्रयासों से हॉकी के सिंथेटिक मैदान की स्वीकृति मिल गई। शासन ने इसके निर्माण के लिए 9.26 करोड़ का बजट मंजूर किया है। सिंथेटिक मैदान के निर्माण से जिले के हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया कि इस मैदान के बन जाने से जलभराव की समस्या का समाधान भी हो जाएगा। स्टेडियम का आधा मैदान करीब चार फिट ऊंचा हो जाएगा। पीलीभीत की प्रतिभाशाली युवा पीढ़ी को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। हॉकी के सिंथेटिक मैदान की स्वीकृति से यहां के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का सशक्त मंच और मौका मिलेगा। - जितिन प्रसाद, केंद्रीय राज्यमंत्री

नो-मैपिंग में एसडीएम पूरनपुर का भी फॉर्म, नोटिस जारी

पीलीभीत। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में पूरनपुर एसडीएम अजीत प्रताप सिंह का भी फॉर्म नो-मैपिंग में आया है। उन्हें भी जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया गया है। अब बीएलओ को रोजाना दो घंटे तक बूथ पर बैठना है। बुधवार को बूथों पर बीएलओ ने मतदाताओं के फॉर्म जमा किए। शहर के राम लुभाई साहनी महाविद्यालय के बूथ की सूची में मतदाता के तौर पर दर्ज एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह का फॉर्म भी नो-मैपिंग में पाया गया। उन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया गया है। एसआईआर के पहले चरण में अनमैप्ड विवरण में मिले 67 हजार से अधिक मतदाताओं को नोटिस भेजा गया है। अब इस श्रेणी के मतदाताओं की संख्या 2.40 लाख पहुंच गई है। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रसून द्विवेदी ने बताया कि इन सभी मतदाताओं को नोटिस भेजा रहा है। घुंघचाई। दिलावरपुर के बूथ संख्या 41, 42, 43 पर सुबह दस बजे बीएलओ पहुंचे। मतदाताओं ने बूथ पर पहुंचकर वोट बनने की जानकारी ली। इसके अलावा सिमरिया, कसगंजा आदि बूथों पर भी सुबह 10 से 12 बजे के बीच बीएलओ काम करते दिखे। कई गांवों में बीएलओ ने मतदाताओं को नोटिस वितरित किए। बिलसंडा। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी बूथों पर मतदाताओं की समस्याओं को सुनकर उनकी समस्याओं का लगातार समाधान किया जा रहा है। बुधवार को पीएमश्री विद्यालय में बैठे बीएलओ ने मतदाताओं की समस्याओं को सुना। इस दौरान नगर के निवासी अख्तर ने बताया कि उनका वोट नहीं बना है। इसको लेकर वह कई दिनों से चक्कर लगा रहे हैं।

जलाई गई युवती ने घर से निकलकर नाले में गिरकर बुझाई थी आग

पीलीभीत। आग लगाकर जलाई गई मोहल्ला मदीना नगर की नूरी बी ने घर से निकलकर नाले में गिरकर आग बुझाई। घटना की सूचना पुलिस को देने के बाद उसके ससुराल वाले घर से भाग गए थे। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर विवाहिता के पति, सास, ससुर सहित छह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। थाना माधोटांडा के गांव न्यूरिया मल्लपुर के शमशेर खां ने दर्ज कराई प्राथमिकी में कहा कि उसने अपनी पुत्री नूरी बी की शादी वर्ष 2018 में पूरनपुर के मुझा मार्ग के मदीना नगर निवासी फिरोज खां के साथ की थी। शादी के कुछ दिन तक सब ठीक चलता रहा। करीब एक साल पहले उसकी पुत्री को परेशान किया जाने लगा। पुत्री के ससुरालियों को कई बार समझाया गया। दो महीने पहले उसकी पुत्री अपने पति के साथ मायके में आकर रहने लगी। फिरोज के बीमार होने पर उसका इलाज भी कराया गया। दो फरवरी को फिरोज अपने घर लेकर चला गया। तीन फरवरी को पुत्री भी बुलाने पर ससुराल गई थी। आरोप है कि साजिश के तहत मंगलवार को उसकी पुत्री की पिटाई कर आग से जला दिया गया। पुत्री जान बचाने के लिए घर के बाहर भागी और उसने नाली में गिरकर आग बुझाकर अपनी जान बमुश्किल बचाई। पुत्री के ससुराली पुलिस को मोबाइल पर घटना की सूचना देकर घर से भाग गए। प्राथमिकी में पीड़िता के पति फिरोज खां, सास रिहाना, ससुर महमूद खां, देवर आदिल उर्फ मीनू, अफरोज, ननद नसरीन को नामजद किया गया है।

भाकियू टिकैत ने किसान और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

पीलीभीत। भाकियू टिकैत के पदाधिकारियों ने बुधवार को तहसील कलीनगर पहुंचकर किसानों और ग्रामीणों से जुड़ी गंभीर समस्याओं को लेकर एसडीएम प्रमेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि आवारा पशुओं के कारण किसानों की फसलें लगातार बर्बाद हो रहीं हैं। ऐसे में आवारा पशुओं को तत्काल पकड़वाया जाए और प्रत्येक ग्राम पंचायत में अस्थायी गोशालाओं का निर्माण कराया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके। तराई क्षेत्र में जंगल से बाहर निकलकर बाघों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन विभाग और प्रशासन द्वारा ठोस और स्थायी उपाय किए जाने की मांग की। इसके अलावा ग्राम पंचायत मैनी गुलड़िया में सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जों और ग्राम सिमरा ताल्लुके महाराजपुर में सार्वजनिक रास्ते पर बनाए गए अवैध मकानों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग उठाई गई। ज्ञापन में भारत और अमेरिका के बीच हुई डील का भी विरोध किया गया। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा, युवा जिला अध्यक्ष गुरदीप सिंह, धर्मेंद्र सिंह चौहान, सतविंदर सिंह काहलो, नसीमुद्दीन गाजी, प्यारेलाल रहे।

दूध का नमूना फेल, दो विक्रेताओं पर लगाया 50 हजार का जुमार्ना

पीलीभीत। एडीएम वित्त एवं राजस्व न्यायालय ने खाद सुरक्षा के वादों का निस्तारण करते हुए दो दूध विक्रेताओं पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। दोनों विक्रेता बरेली के रहने वाले हैं। शहर में दूध बिक्री का व्यवसाय करते मिले थे। खाद्य सुरक्षा टीम ने मार्च 2025 में शहर के बेलो वाला चौराहा पर ओल्ड सिटी बरेली निवासी मोहम्मद रहबर रजा के मिश्रित दूध की जांच की। नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा। जांच में दूध अवमानक मिलने पर एडीएम न्यायालय ने रहबर रजा 25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। एक अन्य वाद में खाद्य टीम ने जनवरी 2025 में शहर के असम चौराहे पर दूध विक्रेता अनुज कुमार यादव निवासी गांव अटुंगा थाना क्योलड़िया-बरेली की ओर से लाए गए दूध का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा। जांच में दूध अवमानक मिलने पर न्यायालय ने विक्रेता अनुज कुमार व एफबीओ मालिक भूपराम पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। बिना पंजीकरण कारोबार संचालित करने वाले पर भी जुमार्ना खाद्य सुरक्षा टीम ने मार्च 2025 में नरायनपुर असम चौराहा पर स्थित खाद्य प्रतिष्ठान सनी कोल्ड ड्रिंक का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीकरण/लाइसेंस नहीं मिला। विभाग ने विक्रेता/मैनेजर सुच्चा सिंह व मालिक संतोष सिंह के खिलाफ वाद दायर किया। एडीएम न्यायालय ने दोनों पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है।

जिला अस्पताल में शुरू हुआ कुष्ठ रोग का इलाज

पीलीभीत। त्वचा संबंधी कुष्ठ रोग के इलाज के लिए अब मरीजों को महंगी दवा के लिए इधर-उधर नही भटकना पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला अस्पताल पहुंचने वाले कुष्ठ रोगियों को अब जांच के साथ दवाएं भी मिल जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला अस्पताल को दस कुष्ठ रोगियों के इलाज के लिए दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं हैं। कुष्ठ रोग में शरीर में सुन्नपन, सफेद या लाल चकत्ते, घाव भरने में देरी आदि के लक्षण से धब्बे पड़ जाते हैं। यह शरीर के किन्हीं भाग में हो सकता है व इसमें उपचार नहीं होने से आजीवन की शिकायत भी बन सकती है। ऐसे गंभीर रोग का अभी तक जिला अस्पताल में उपचार शुरू नहीं हुआ था, सिर्फ मरीजों की जांचें हो जाती थीं। दवाओं के लिए मरीजों को प्राइवेट मेडिकल की ओर रुख कर महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती थीं। कई बार लंबे समय तक चलने वाले महंगे इलाज के चलते लोग बीच में दवाएं लेना बंद कर देते थे। हाल ही में सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने कुष्ठ रोगियों के इलाज को लेकर गंभीरता दिखाई व जिला अस्पताल के त्वचा विभाग को दस मरीजों के लिए एक माह की दवाएं उपलब्ध कराई। कुष्ठ रोग इलाज मल्टी ड्रग थैरेपी (एमडीटी) से किया जाता है। कुष्ठ रोगियों के लिए अभी तक जिला अस्पताल में दवाएं उपलब्ध नहीं थी। 10 मरीजों की डोज से कुष्ठ रोगियों को उपचार शुरू किया जा रहा है। जैसे-जैसे मरीजों की संख्या बढ़ेगी, और भी डिमांड भेज दी जाएगी।

कागजों पर सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण, दावों में उलझा विभाग

पीलीभीत। छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर का टीका लगवाने की प्रक्रिया करीब छह माह बाद भी धरातल पर नहीं उतर सकी है। स्वास्थ्य विभाग अब तक कागजी दावे ही दौड़ा रहा है। हालांकि, एक सप्ताह में टीकाकरण शुरू करने का दावा किया जा रहा है। पहले चरण में जिले के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को यह टीका लगाया जाएगा। करीब छह माह पूर्व जिले के दौरे पर आई राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने महिलाओं-युवतियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए स्कूली छात्राओं का टीकाकरण कराए जाने का निर्देश दिया था।

एक्सप्रेस व्यूज
(हिन्दी मासिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।
सम्पादक
मोहित कुमार
नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।